Rashtriya Sahara

November 21, 2016

नोटबंदी से ई पेमेंट कंपनियों की चांदी

▶ ई वॉलेट के कारोबार में होगी जोरदार वृद्धि

■ नई दिल्ली।

नोटबंदी के सरकार के फैसले से मोबाइल और डिजिटल भुगतान सेवाप्रदाताओं के कारोबार में जोरदार इजाफा देखने को मिल सकता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊंचे मूल्य के नोट बंद होने के बाद बड़ी संख्या में रिटेलर या खुदरा कारोबारी अपने कारोबार को नकदीरहित तरीके में बदल सकते हैं।

उद्योग मंडल एसोचैम की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा प्रीपेड भुगतान सेवा (पीपीआई) देने वाले कई गैर बैंक खिलाड़ियों या मोबाइल अथवा डिजिटल वालेट सेवाप्रदाताओं के कारोबार में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो सकती है। बड़ी संख्या में लोग अपने रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने के लिए इस तरह की सुविधाओं की ओर रुख कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार 45 पीपीआई खिलाड़ियों ने अपनी सेवाओं की पेशकश शुरू की है, लेकिन कुछ ही ऑपरेटर आक्रमक तरीके से अपने परिचालन को बढ़ा रहे हैं और मार्केटिंग कर रहे हैं। एसोचैम के महासचिव डीएस रावत ने कहा, 'नोटबंदी उनके लिए एक बड़ा अवसर है। सिर्फ अभी संकट के समय ही पीपीआई भारी वृद्धि दर्ज नहीं करेंगे, बल्कि आगे चलकर भी वे छोटे किराना दुकानदारों तक पहुंच बनाएंगे।' ■ भाषा

एसोचैम की रपट

अपने कारोबार को कैशलेस सिस्टम में तेजी से बदलेंगे खुदरा कारोबारी

बड़ी संख्या में लोग कर रहे हैं इस सेवा की ओर रुख

Rajasthan Patrika **November 21, 2016**

नोटबंदी ने खोले मोबाइल वॉलेट के विकास के द्वार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

rajasthanpatrika.com

नई दिल्ली. 500 और 1000 रुपए के नोट पर गत आठ नवंबर को लगे प्रतिबंध से सबसे अधिक लाभ ऑनलाइन पेमेंट सर्विस देने वाली 'डिजिटल वॉलेट' कंपनियों को हुआ है और कुछ ही दिनों में इनके उपभोक्ताओं की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। उद्योग संगठन एसोचैम के ताजा अध्ययन से यह बात सामने आई है कि बाजार में नए नोटों की कमी और नगद निकालने की तय सीमा के कारण लोगों को रुझान अब नगदरहित भुगतान सुविधा देने वाले ऑनलाइन पेंमेंट प्लेटफार्म जैसे पेटीएम और फ्रीचार्ज की ओर हो गया है। खुदरा विक्रेता को लेनदेन के लिए अब ऑनलॉइन पेंमेंट का इस्तेमाल करना पड़ रहा है।

Hari Bhoomi **November 21, 2016**

डिजिटल कंपनियों की चांदी

एजेंसी. नई दिल्ली

नोटबंदी के सरकार के फैसले से मोबाइल और डिजिटल भुगतान सेवाप्रदाताओं के कारोबार में जोरदार इजाफा देखने को मिल सकता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊंचे मूल्य के नोट बंद होने के बाद बड़ी संख्या में रिटेलर या खुदरा कारोबारी अपने कारोबार को नकदीरहित तरीके में बदल सकते हैं।

- खुदरा कारोबारी को नगदी रहित में बदल सकते हैं

उद्योग मंडल एसोचैम की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा प्रीपेड भुगतान सेवा (पीपीआई) देने वाले कई गैर बैंक खिलाड़ियों या मोबाइल अथवा डिजिटल वॉलेट सेवाप्रदाताओं के कारोबार में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो सकती है। बड़ी संख्या में लोग अपने रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने के लिए इस तरह की सुविधाओं की ओर रुख कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि 45 पीपीआई खिलाड़ियों ने अपनी सेवाओं की पेशकश शुरू की है, लेकिन कुछ ही ऑपरेटर आक्रामक तरीके से अपने परिचालन को बढ़ा रहे हैं और मार्केटिंग कर रहे हैं।

एसोचैम के महासचिव डी एस रावत ने कहा, 'नोटबंदी उनके लिए एक बड़ा अवसर है। सिर्फ अभी संकट के समय ही पीपीआई भारी वृद्धि दर्ज नहीं करेंगे, बल्कि आगे चलकर भी वे छोटे किराना दुकानदारों तक पहुंच बनाएंगे।'

Dabang Duniya **November 21, 2016**

नोटबंदी: एम-वॉलेट के विकास के द्वार खुले

एजेंसी ✡ नई दिल्ली

500 और 1000 रुपये के नोट पर गत आठ नवंबर को लगे प्रतिबंध से सबसे अधिक लाभ ऑनलाइन पेमेंट की सेवा देने वाली 'डिजीटल वॉलेट' कंपनियों का हुआ है और कुछ ही दिनों में इनके उपभोक्ताओं की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। उद्योग संगठन एसोचैम के ताजा अध्ययन से यह बात सामने आयी है कि बाजार में नये नोटों की कमी और नगद निकालने की तय सीमा के कारण लोगों को रुझान अब नकदरहित भुगतान सुविधा देने वाले ऑनलाइन पेंमेंट प्लेटफॉर्म जैसे पेटीएम और फ्रीचार्ज की ओर हो गया है। नोटबंदी के कारण अधिक से अधिक खुदरा विक्रेता को लेनदेन के लिए अब ऑनलॉइन पेंमेंट का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। ऑनलाइन पेंमेंट सुविधा 45 कंपनियां दे रही हैं।

मोबाइल वॉलेट को मंजूरी

एसोचैम के महासचिव डी. एस. रावत के अनुसार इन मोबाइल वॉलेट कंपनियों के लिए नोटबंदी आगे बढ़ने के मौके के रूप में आई है। सिर्फ अभी नकदी की समस्या के होने तक ही नहीं, बल्कि आगे भी इनके कारोबार में वृद्धि होती रहेगी और घर के पास के किराना स्टोर भी इसका इस्तेमाल करते दिखने लगेंगे। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि सड़क किनारे बने ढाबे भी मोबाइल वॉलेट से बिल का भुगतान करने लगेंगे।

भारतीय रिजर्व बैंक ने वस्तु एवं सेवा की खरीद के लिए ऑनलाइन भुगतान सुविधा देने वाले मोबाइल वॉलेट को मंजूरी दी है। एसोचैम का कहना है कि जिस तरह सरकार नकद रहित भुगतान को बढ़ावा दे रही है, उसे देखते हुए कंपनियां अपने उत्पाद के नवाचार में ज्यादा निवेश करेंगी और ज्यादा से उपभोक्ताओं तथा व्यापारियों तक अपनी पहुंच बनाएंगीं। इन मोबाइल वॉलेट का इस्तेमाल करने वाले व्यापारियों को अधिक जागरूक रहने, साइबर सुरक्षा के प्रति सचेत रहने और प्रशिक्षण लेने की जरूरत है। अब बैंक भी लेनदेन के लिए ऐसी सेवायें देने की इच्छुक होंगे।

Naya India **November 21, 2016**

आंकड़ों के मुताबिक

नोटबंदी से गैर बैंकिंग संस्थाओं को लाभ

नई दिल्ली ▪ आईएएनएस

उच्च मूल्य के नोटों को अमान्य घोषित किए जाने के तात्कालिक परिणाम के रूप में भुगतान कारोबार से जुड़े पेटीएम और फ्री चार्ज जैसी गैर बैंकिंग संस्थाओं को अप्रत्याशित लाभ होगा। उद्योग मंडल एसोचैम ने एक अध्ययन का उल्लेख करते हुए रविवार को कहा कि एसोसिएटेड चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) ने यहां एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा, नोटबंदी के तात्कालिक परिणाम के रूप में भुगतान करोबार से जुड़े पेटीएम और फ्री चार्ज जैसी संस्थाओं को अप्रत्याशित लाभ होगा, क्योंकि ग्राहकों के हस्तान्तरणों के लिए वस्तु एवं सेवाओं की खुदरा विक्रेताओं की श्रृंखला गैर नकदी तरीके अपनाने को बाध्य होंगी।

एसोचैम के अध्ययन से पता चला है कि चलित और डिजिटल बटुए के रूप में काम कर रहे करीब 45 प्री-पेड भुगतान उपकरण (पीपीआई) संस्थाओं ने सेवा देनी शुरू कर दी है। लेकिन केवल कुछ संचालक उनके कारोबार को आक्रामक ढंग से आगे बढ़ा रहे हैं और विपणन कर रहे हैं। एसोचैम के महासचिव डी.एस. रावत ने कहा, हालांकि, नोटबंदी उनके लिए एक बड़े अवसर लेकर आई है। पीपीआई को न केवल इस नगदी संकट की अवधि में अप्रत्याशित लाभ होगा, बल्कि आगे भी उन्हें लाभ होने जा रहा है। यह प्रणाली किरान की बहुत छोटी दुकानों तक पहुंच जाएगी।

चलित बटुए (मोबाइल वैलेट) से भुगतान के अलावा ग्राहकों को संग्रहीत मूल्य सेवा की पेशकश के साथ गैर बैंकिंग पीपीआई जारीकर्ताओं को भारतीय रिजर्व बैंक से वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद के लिए हस्तान्तरण करने की अनुमति मिली हुई है। उन्होंने कहा कि नगदी रहित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने के सरकारी जोर के कारण उम्मीद है कि निजी क्षेत्र की पीपीआई उत्पाद अन्वेषण और ग्राहकों और व्यापारियों तक पहुंच बढ़ाने के लिए अधिकाधिक निवेश करेंगी। पीपीआई के अलावा बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक हस्तान्तरण और सेवा उपकरणों की पेशकश बैंक भी करेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़े के मुताबिक, बहरहाल 67 बैंक अपने 12 करोड़ ग्राहकों को चलित सेवाओं की पेशकश कर रहे हैं।

Aapka Faisla **November 21, 2016**

नोटबंदी से गैर बैंकिंग संस्थाओं को अप्रत्याशित लाभ होगा : एसोचैम

एजेंसी

नई दिल्ली, 20 नवंबर। उच्च मूल्य के नोटों को अमान्य घोषित किए जाने के तात्कालिक परिणाम के रूप में भुगतान कारोबार से जुड़े पेटीएम और फ्री चार्ज जैसी गैर बैंकिंग संस्थाओं को अप्रत्याशित लाभ होगा। उद्योग मंडल एसोचैम ने एक अध्ययन का उल्लेख करते हुए रविवार को कहा कि एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) ने यहां एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि नोटबंदी के तात्कालिक परिणाम के रूप में भुगतान करोबार से जुड़े पेटीएम और फ्री चार्ज जैसी संस्थाओं को अप्रत्याशित लाभ होगा, क्योंकि ग्राहकों के हस्तांतरणों के लिए वस्तु एवं सेवाओं की खुदरा विक्रेताओं की श्रृंखला गैर नकदी तरीके अपनाने को बाध्य होंगी। एसोचैम के अध्ययन से पता चला है कि चलित और डिजिटल बटुए के रूप में काम कर रहे करीब 45 प्री-पेड भुगतान उपकरण (पीपीआई) संस्थाओं ने सेवा देनी शुरू कर दी है। लेकिन केवल कुछ संचालक उनके कारोबार को आक्रामक ढंग से आगे बढ़ा रहे हैं और विपणन कर रहे हैं। एसोचैम के महासचिव डी.एस. रावत ने कहा कि हालांकि, नोटबंदी उनके लिए एक बड़े अवसर लेकर आई है। पीपीआई को न केवल इस नगदी संकट की अवधि में अप्रत्याशित लाभ होगा, बल्कि आगे भी उन्हें लाभ होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगदी रहित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने के सरकारी जोर के कारण उम्मीद है कि निजी क्षेत्र की पीपीआई उत्पाद अन्वेषण और ग्राहकों और व्यापारियों तक पहुंच बढ़ाने के लिए अधिकाधिक निवेश करेंगी। पीपीआई के अलावा बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक हस्तान्तरण और सेवा उपकरणों की पेशकश बैंक भी करेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़े के मुताबिक, बहरहाल 67 बैंक अपने 12 करोड़ ग्राहकों को चलित सेवाओं की पेशकश कर रहे हैं।